अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 114

प्रयागराज गुरुवार 09 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

वैष्णव अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा पर संत ने शंख नाद किया।

सीएम धामी ने की पीएम से मुलाकात

देहरादून,(एजेंसी)। 38वें राष्ट्रीय खेल के शुभारंभ का आमंत्रण स्वीकार करने पर सीएम धामी ने पीएम मोदी का आभार जताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से 38वें राष्ट्रीय खेल, राज्य के विकास और शीतकालीन यात्रा समेत कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की थी। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुभारंभ करेंगे। सीएम धामी ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से 38वें राष्ट्रीय खेल, राज्य के विकास और शीतकालीन यात्रा समेत कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री से पूछा, राष्ट्रीय खेलों की तैयारी कैसी चल रही है। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों से युवाओं को मिलने वाले लाभ के बारे में चर्चा की थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीएम से शीतकालीन प्रवास के लिए आमंत्रित किया था।

वक्फ के नाम पर जमीन कब्जाने वालों से वापस लेंगे एक–एक इंच भूमिः सीएम योगी

गरीबों के लिए बनाएंगे आवास

- महाकुंभ समृद्धि, विरासत और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रमाण
- शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनाए जाएंगे
- धर्म और परंपरा के प्रति जागरूकता का संकेत

लखनऊ,(एजेंसी)। सीएम योगी ने कहा कि वक्फ के नाम पर जमीन कब्जाने वालों से एक–एक इंच भूमि वापस लेंगे। इस पर गरीबों के लिए आवास, शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की सनातन धर्म की जो मान्यता है, यह दुनिया के सबसे प्राचीन संस्कृति है। इसकी तुलना किसी मत मजहब और संप्रदाय से नहीं हो सकती। सनातन की परंपरा आकाश के भी ऊंची है। प्रयागराज महाकुंभ पर सीएम ने कहा कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इसके आयोजन के दौरान भारत के ऋषि–मुनि एकत्र होकर उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंतन करते थे। यह आयोजन न केवल परंपरा का सम्मान है, बल्कि इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना भी आवश्यक है। सीएम ने कहा कि 2019 के प्रयागराज कुंभ में यह देखा गया कि कैसे आधुनिक तकनीक, प्रबंधन और संस्कृति का सामंजस्य किया गया। यही प्रयास आने वाले महाकुंभ में भी होगा। इसे भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इस आयोजन से न केवल देश के नागरिक, बल्कि दुनियाभर के लोग भी आकर्षित हो रहे हैं। महाकुंभ समृद्धि, विरासत और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रमाण सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 10 वर्षों में जो प्रगति की है, महाकुंभ इसका सशक्त माध्यम बनेगा। यह भारत की समृद्धि, विरासत और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रमाण है। विदेशी जूठन खाने वाले लोग हमें बदनाम करने में लगे हैं। देश में जातिवाद का जहर घोलकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। लेकिन, देश की जनता अब जागरूक हो चुकी है। सीएम ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब हम बंटे हैं, तो कमजोर हुए हैं। जब एकजुट हुए हैं, तो अजेय बने हैं। इसीलिए मैंने पहले कहा था कि बंटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो नेक रहोगे। विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि कुछ लोग जाति और मजहब के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास करते हैं। ये वही शक्तियां हैं जो भारत को कमजोर करने का षड्यंत्र रचती हैं। आज यूपी का नागरिक पलायन नहीं कर रहा है। माफिया और अपराधी भाग रहे हैं। शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनाए जाएंगे सीएम ने कहा कि यह समझना मुश्किल है कि वक्फ बोर्ड है या भू–माफियाओं का बोर्ड। हमारी सरकार ने वक्फ अधिनियम में संशोधन किया है। एक–एक इंच जमीन की जांच करवा रही है। जिन लोगों ने वक्फ के नाम पर जमीन कब्जाई है, उनसे जमीन वापस ली जाएगी। गरीबों के लिए आवास, शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनाए जाएंगे।

शैव अखाड़ों के बाद वैष्णव अखाड़ों का कुम्भ क्षेत्र में प्रवेश

अखिल भारतीय पंच निर्मोही अणि, निर्वाणी अणि और दिगम्बर अनी अखाड़े ने युद्ध कौशल की झलक दिखाई

महाकुम्भ नगर। बुधवार को विष्णु उपासक वैष्णव अखाड़ों ने केपी ग्राउंड परिसर से तीनों वैष्णव अखाड़ों की भव्य छावनी प्रवेश यात्रा की शुरुआत हुई। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु राम भद्राचार्य की अगुवाई में यह प्रवेश यात्रा निकाली गई जिसमें दस हजार से अधिक वैष्णव उपासक संतो ने हिस्सा लिया। अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अणि अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास का कहना है कि प्रवेश यात्रा में तीनों वैष्णव अखाड़ों के सौ से अधिक महा मंडलेश्वर और द्वाराचार्य ने हिस्सा लिया। तीनों वैष्णव अखाड़ों ने संयुक्त रूप से अपनी छावनी प्रवेश यात्रा निकाली जिसे देखने के लिए शहर के मार्गों में दोनों तरफ हजारों लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा में सबसे आगे तीनों अखाड़ों के इष्ट भगवान हनुमान की धर्म ध्वजा और मूर्ति के बाद अखाड़ों के खालसों की रंग बिरंगी धर्म ध्वजा लहरा रही थी। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु राम भद्राचार्य के रथ के बाद गाजे बाजे और बैंड बाजे के साथ हाथी, घोड़े और ऊंट की सवारी में सिंहासन में विराजमान संत चल रहे थे। इन सबके बीच वैष्णव अखाड़ों के संतों के युद्ध कला कौशल का प्रदर्शन सबके लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। एक हाथ में माला और एक हाथ में भाला के संकल्प को दर्शाती इस युद्ध कला का प्रदर्शन कर रहे संतो पर जगह जगह पुष्प वर्षा की गई। मेला प्रशासन की तरफ से भी वैष्णव अखाड़ों का महा कुम्भ क्षेत्र पहुंचने पर विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया।

नीतीश ने बिहार के युवाओं की आशा को निराशा में बदल दिया: तेजस्वी

पटना,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरोप लगाया है कि थके हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ मिलकर

बिहार के युवाओं की आशाओं को निराशाओं में बदल दिया है। श्री यादव लगातार श्री कुमार की प्रगति यात्रा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने बुधवार को मीडिया में जारी बयान में कहा कि विज्ञापनों के माध्यम से सैंकड़ों करोड़ झूठे प्रचार में फूंक रहे है। बिहारियों के जीवन को आबाद करने की बजाय उसे बर्बाद कर दिया है। बिहार की प्रगति को दुर्गति की अग्नि में झोंक दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बेसुध सरकार और उसके मुखिया के नेतृत्व में एक बरसात में ही सैंकड़ों पुल–पुलिया ढह जाते है। दो दशक से हर प्रकार की परीक्षाएं पेपर लीक और धांधली की भेंट चढ़ाई जा रही है। महंगाई हर घर–हर परिवार को खा रही है। छोटे बड़े व्यवसायों का व्यवसाय बर्बादी के कगार पर है। इनके शासन में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन में बिहार अव्वल है।

जनता को प्रधानमंत्री का राजमहल दिखाएं

- पीएम आवास देखने पर अड़े संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज, धरने पर बैठे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में श्शीशमहलश मामले को लेकर सियासत गर्म है। आज आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज दिल्ली सीएम आवास पहुंचे। सीएम आवास में अंदर जाने से पुलिस ने उन्हें रोक दिया। जिसके बाद दोनों आप नेता पीएम आवास के लिए निकले। बीच रास्ते में उन्हें पुलिस ने रोक दिया। भाजपा के श्शीश महलश आरोपों के बाद कल, संजय सिंह ने भाजपा को मीडिया कर्मियों के साथ सीएम आवास पर जाने की चुनौती दी थी। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के एक दिन बाद मंगलवार को चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। अब सत्ता संग्राम की सियासी जंग शुरू हो गई है। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव आयोग ने कल चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। दिल्ली में 5 फरवरी को एक चरण में चुनाव होगा और नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। इस बीच दिल्ली में श्शीशमहलश मामले को लेकर सियासत गर्म है। जहां भाजपा इस मामले को लेकर भाजपा आम आदमी पार्टी को घेरने में लगी है वहीं आप नेता संजय सिंह ने भाजपा के नेताओं को खुली चुनौती दी। दिल्ली सीएम आवास में जाने से पुलिस ने आप नेताओं को रोका आप सांसद संजय सिंह ने 2700 करोड़ रुपये में बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलीशान राजमहल को भाजपा को दिखाने की चुनौती दी। संजय सिंह ने भाजपा से मांग की है कि वह पीएम का राजमहल दिखाएं। संजय सिंह ने कहा था कि वे आज मीडिया के साथ पहले मुख्यमंत्री आवास जाएंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री का आवास देखने जाएंगे। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज दिल्ली सीएम आवास पहुंचे। सीएम आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। आप नेताओं को सीएम आवास में जाने से पुलिस ने रोक दिया। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आप सांसद संजय सिंह की मुख्यमंत्री आवास के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। मुख्यमंत्री आवास के बाहर पुलिस बैरिकेडिंग लगा दी गई है और भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज धरने पर बैठ गए। पीएम आवास में जाने से पुलिस ने रोका सीएम आवास में अंदर जाने से रोके जाने के बाद आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज पीएम आवास के लिए निकले।

रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद पुलिस और आप नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों आप नेता प्रधानमंत्री आवास के पास धरने पर बैठ गए।

जहाँ स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा- स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज

महाकुम्भनगर। झूंसी स्थित सेक्टर अठारह अन्नपूर्णा मार्ग प्रभु प्रेमी संघ कुम्भ शिविर में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस बताया कि धर्म अभ्युदय और श्रेयस कारक है। हमारी संस्कृति में कामादि पुरुषार्थ भी मान्य है, उनकी निन्दा नही है। किन्तु, काम संतुलित, नियंत्रित और मूल्य आधारित होना चाहिए। धर्म की सिद्धि कैसे हो? इसका समाधान बताते हुए श्पूज्य प्रभुश्रीश कहते हैं कि शरीर ही धर्म सिद्धि का एक मात्र साधन है। देवताओं और पितरों की सामर्थ्य सीमित है, क्योंकि उनके पास शरीर नही है, वो स्वर्ग के अधिकारी तो हैं किन्तु मोक्ष प्राप्त नही कर सकते। अनन्तता के उपार्जन हेतु हमें निरन्तर शुभ कर्म करते रहना चाहिए। धर्म की एक विशेषता यह भी है कि यह सन्त–सत्पुरुषों के सान्निध्य में ही जागृत होता है। मन की प्रवृत्तियाँ स्वभावतः पतन की है, वह हेय वस्तुओं की ओर आकर्षित होता है, इसलिए धर्म का अवलम्बन लीजिए, क्योंकि धर्म से ही जीवन में दिव्यता का आरोहण होता है। महर्षि पतञ्जलि कहते हैं – श्वीतराग विषयं वा चित्तम् ..श। वीतराग महापुरुषों के संसर्ग में रहने से अथवा उनका अनुसरण, अनुगमन करने से कामरूपी विषयों का शमन हो जाता है। इसलिए अपने चित्त के प्रारम्भ में जो गुरू स्थित है, उसको जाग्रत कर लें। अपने चित्त को स्थिर करने के लिए योगियों का आश्रय लेने की बात कही गई है। वीतराग का अर्थ होता है – वह योगी जिन्होंने योग साधना के द्वारा अपने चित्त को राग व द्वेष आदि क्लेशों से मुक्त कर लिया है। शिक्षा संस्कारित करती है और विद्या पूर्णता प्रदान करती है। समता लाती है, अनुशासित करती है, सही दिशा प्रदान करती है। ब्रह्मा जी भगवान नारायण के प्रथम संतान हैं और इस धरती का पहला कर्म उन्होंने ष्तपष किया। आज के युग में परिवार की परिभाषा बहुत संकुचित है। परिवार परस्पर प्रीति और सहयोग से चलता है। जहाँ स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा होगी। वहाँ पारिवारिक मूल्य स्वतः ही ध वस्त हो जायेंगे। कई बार अपमान, तिरस्कार, अवहेलना आदि जीवन की उन्नति का भी कारण बन जाता है। इसलिए सबका श्मनश सम्भाल कर रखें। महाराज मनु और शतरूपा के संतानों की कथा हमें नीति और नियमों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आपके जप और साधन कभी न छूटे। उत्तानपाद का आशय मन की दुर्बलता से है। जीवन में जब नीतियों का स्थान रुचियाँ ले लेती हैं तो व्यक्ति उत्तानपाद की भाँति किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाता है। बालक ध्रुव के जीवन में गुरु के रूप में देवर्षि नारद के आगमन की कथा सुनाते हुए गुरु तत्व की महनीयता का प्रतिपादन किया। राजा प्रियव्रत की कथा में प्रियव्रत का अर्थ श्प्रियता के व्रतश से है। हमारी अभिव्यक्ति और कार्यकलाप इस प्रकार हो कि हमसे किसी का अहित न हो अथवा हम किसी को आहत न करें।

तेल की धार

अभी–अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है । सरकार इस बात की बार–बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तघे स्थिर हैं। 2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंचा था, तब बार–बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है। जैसे–जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे–वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है। यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार–चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58–59 रुपये लीटर मिल रहा था।

अभी–अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं । उन्होंने खुलासा किया है कि देश ने जैव ईंधन यानि एथेनाल के मिश्रण से लगभग एक लाख 6 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है ।विचारणीय है कि

मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जब एथनाल नीति बनाई थी तो उसका आशय यही था कि आयात निर्भरता घटाकर आम उपभोक्ता को लाभ पहुंचाया जाये ।वर्ष 2014 तक मिश्रित ईंधन की कैलोरिक गुणवत्ता प्रायोगिक और शुरुआती दौर में थी,अतरू एथेनाल का प्रयोग पेट्रोल की कुल खपत का 1.53 फीसदी तक ही था ।यह खपत अब 2023–24 में कुल खपत के 15 फीसदी तक पहुंच गई है ।लेकिन इस बचत का लाभ न तो उपभोक्ता को ही मिल रहा है न ही आयात निर्भरता में कमी ही आई है ।2014 में हमारी सकल घरेलू खपत के मुकाबले आयात निर्भरता लगभग 70 फीसदी थी जो अब बढ़कर बकौल मंत्री हरदीप सिंह के 88 फीसदी पर पहुंच चुकी है ।इसे नौ दिन चले अढ़ाई कोस ही कहा जा सकता है ।क्योंकि अगर नीतियां सात–आठ साल में भी परिणाम न दें तो उनकी समीक्षा लाजिम हो जाती है।

इनवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट कंपनी (ईक्रा) की रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतें 12 फीसदी कम हुईं हदै। रूस ने हमें बाजार से सस्ता क्रूड आइल देकर विगत तीन साल से निहाल किया है ।इसका लाभ न तो उपभोक्ता को मिला न ही अर्थव्यवस्था को ।विभिन्न तकनीकि अनुमान बताते हैं कि अगर एक डालर प्रति बैरैल कच्चे तेल की कीमत घटती है तो कंपनियों को 13 हजार करोड़ की बचत होती है ।कच्चा तेल 84 डालर प्रति बैरेल से घटकर 72 डालर पर आ गया है यानि 12 डालर प्रति बैरेल कीमतें गिर गईं हैं। ।जबकिएक सरकारी आंकड़े के अनुसार मार्च से अब तक 15 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल और 12 रुपये प्रति लीटर डीजल पर मुनाफा बढ़ गया है ।60 हजार करोड़ की आयात बिल में बचत हुई है ।544 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आयी है। देशी सरकारी कंपनियों इंडियन आइल को 39 हजार 619 करोड़,भारत पेट्रोलियम को 26हजार 673 करोड़ एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम को 14 हजार 694 करोड़ का मुनाफा हुआ है अगर इसी अनुपात में कीमतें भी घटतीं तो परिवहन कास्ट कम से कम 20 फीसदी नीचे आ जाती ।परिवहन घटता तो उत्पादन की कीमतें घटतीं,मंहगाई नीचे आती आम नागरिक के जेब में पैसा बचता तो आर्थिक गतिविधियां तेज होतीं ।खपत बढ़ती और इस मुनाफे की खुशी भारत के आम व्यक्ति के चेहरे पर भी झलकती। तेल की कीमतों की बाजार से संबद्धता की नीति भी केवल जुमला साबित हुई है ।करोड़ों उभोक्ताओं क्रूड आइल की बढ़ती कीमतों के दौर में में सरकार और कंपनियों का साथ दिया है लेकिन कंपनियाँ घटती कीमतों के दौर में जनता का साथ देने से बच रहीं हैं ।जब पतली है तेल की धार तो क्यों जारी है मार ..!!

फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम

सार यह कि भारतीय आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी का मारा है। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे अति न्यूनतम पैमाना बताया है ।विश्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना है कि 2020 (यानी कोरोना काल) के बाद से भारत सहित दुनिया में गरीबी घटने की प्रक्रिया ठहर गई है। बैंक का ताजा आकलन है कि भारत में इस समय 12 करोड़ 90 लाख लोग चरम गरीबी की अवस्था में जी रहे हैं। विश्व बैंक का चरम गरीबी का पैमाना 2.15 डॉलर प्रति दिन (परचेजिंग पॉवर पैरिटी– पीपीपी– के अर्थ में) से कम खर्च क्षमता है। पीपीपी पर यह रकम फिलहाल लगभग 44 रुपये प्रतिदिन बैठती है। वैसे विश्व बैंक ने चूंकि भारत को मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में रखा हुआ है, इसलिए उसका कहना है कि भारत पर चरम गरीबी का पैमाना 6.85 डॉलर प्रति दिन (पीपीपी में तकरीबन 139 रुपये) लागू होना चाहिए ।इस कसौटी पर देखें, तो भारत में 43 करोड़ से अधिक लोग चरम गरीबी की अवस्था में हैं। यह संख्या 1990 में भारत में चरम गरीबी सीमा के नीचे आने वाले कुल लोगों की संख्या से ज्यादा है (तब भारत की जनसंख्या लगभग 88 करोड़ थी)। विश्व बैंक ने भारत सरकार की तरफ से हाल में जारी घरेलू उपभोग एवं खर्च सर्वे रिपोर्ट– 2022–23 में अपनाए गई विधि की आलोचना की है। इस सर्वे के आधार पर सरकार ने भारत में गरीबी मिटाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति का दावा किया था। यानी कुल सार यह है कि भारत में गरीबी के मारे लोग आज भी बड़ी संख्या में हैं। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है ।अनेक विशेषज्ञों ने इसे मनमाने ढंग से तैयार किया गया न्यूनतम पैमाना बताया है। अगर गौर करें कि मध्यम आय श्रेणी वाले भारत जैसे देश में रोज 139 रुपये खर्च क्षमता वाले व्यक्ति को विश्व बैंक गरीब नहीं मानता, तो समझा जा सकता है कि यह फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम है। आखिर इतनी रकम के साथ कोई व्यक्ति किस स्तर का उपभोग कर सकता है? बहरहाल, इस फॉर्मूले के मुताबिक भी श्सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाा्य की यह सूरत उभरी है, हमारे विकास की दिशा क्या है, यह खुद जाहिर हो जाता है।

यदि मनुष्य है तो ईमानदारी से सोचे

हरिशंकर व्यास

ईमानदारी से सोचे, यदि मनुष्य है तो जरूर सोचे। हम क्या होते हुए है? क्या ईमानदारी, सदाचारी, सत्यवादी, विन्रम, संतोषी, विश्वासी और प्रेम व करूणा, अंहिसा के सनातनी व्यापक धर्म की नैतिक मंजिले पाते हुए है या भ्रष्ट–बेईमान, झूठे, अंहकारी, भूखे, अविश्वासी, घृणा–नफरत, हिंसा से मन–मष्तिष्क, चित्त–वृति को भरते हुए है? मेरा मानना है हम बतौर नागरिक, समाज, धर्म व राष्ट्र उन वृतियों, प्रवृतियों, मन और व्यवहार में वे अवगुण धारते हुए है जिसकी कल्पना कलियुग के सर्वाधिक बुरे समय में भी नहीं थी। निश्चित ही किसी कौम और धर्म का नैतिक पतन देश–काल की आबोहवा की लीला से है। लेकिन हम भारतीयों की समस्या यह है कि हम पहले से ही कलियुग की जिंदगी जी रहे है तो और कितने कलियुगी बनेंगे? कितने और भ्रष्टाचारी, दुराचारी, अंहकारी, झूठे, अविश्वासी, नफरती बनेंगे? व्यक्ति, घर–परिवार, कुनबे, खांप, जात–पात, राजनीति, समाज के वेयक्तिक तथा सामुदायिक व्यवहार में यदि श्घृणाा्य ही परमो जीवन धर्म बना तो अपना बनना कैसा होगा? कैसा तो विकसित भारत होगा? कैसे एक भारत, श्रेष्ठ भारत जैसी जुमलेबाजी कोई शक्ल लेगी?

घृणा का जन्म प्रतिक्रिया में होता है। वह आंशका, असुरक्षा, ईर्ष्या और भूख से हवा पाती है और मंद–कुंद बुद्धी से पोषित होती है।

दुनिया की दूसरी नस्लों में भी घृणा का जीवन व्यवहार है। लेकिन हम हिंदुओं की समाज रचना में ऐसे असंख्य कारण है जिससे पग, पग पर, घर–घर में भूख, ईर्ष्या, असुरक्षा इस अनुपात में बढ़ते हुए है कि जहां चुनाव–राजनीति में घृणा है वही सामाजिक रिश्तों में जलन और नफरत है। वेयक्तिक रिश्तों की असुरक्षाओं से घृणा के अलग नए रूप है। कानून–व्यवस्था, नैरेटिव, बुद्धी सब नफरत में दौड़ती हुई है।

इसलिए कटु सत्य है कि 1947 के बाद, विकास की कथित सीढियों के हर मुकाम पर भारत का इस नाते पतन है क्योंकि हर सीढ़ी पर भारतीय दिल–दिमाग भ्रष्ट बना है। लोगों की एक दूसरे की समझ में यह हाल है कि कमोबेस हर व्यक्ति सामने वाले का चेहरा व नाम सुन, उसकी जात, उसके धर्म, उसके व्यवहार, स्वभाव में या तो खतरा बूझता है, ईर्ष्या करता है या उसे लूटने–ठगने की तिकड़म बनाता है और नकली व झूठा व्यवहार बनाता है।

हां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर किसी गांव–गली का कोई पंच–सरपंच जब सामने दूसरे को बूझता है तो ऐसा सहज–सरल मनुष्य स्वभाव में नहीं होता है। बल्कि वह सामने वाले को इस नजर से तौलता है कि इससे मेरा क्या? यह किस जात का, किस धर्म का? मेरे लिए ठिक या बुरा? मुझे चाहने वाला या मेरे से नफरत करने वाला? मेरा वोट है या दुश्मन का? मेरी पार्टी या दुश्मन की पार्टी? मेरी जात का या फंला जात का? पैसे वाला या गरीब? और लोगों का इस तरह तौलते हुए भारत के समाज, भारत की इकोनोमी, बाजार, राजनीति, अदालत, हर तरह की व्यवस्था में वह व्यवहार है जिसमें एक–दूसरे पर विश्वास कम है अविश्वास अधिक। एक–दूसरे के प्रति इंसानियत का व्यवहार कम है और नफरत व बदनियती अधिक है। एक–दूसरे की सेवा कम है और लूट अधिक। भलाई कम है बुराई और स्वार्थ अधिक। ऐकलखोरापना अधिक है और दूसरे की चिंता कम है। श्मैंय अंहम है और श्हमय का दिखावा है!

यह सब क्यों?

इसलिए क्योंकि भारत के हम लोग दिमागी तौर पर विकृत हो रहे है। आजादी के बाद का हमारा कुल सफर नैतिक गिरावट का है। और भारत के लिए इक्कीसवीं सदी गिरावट की पाताल भूमि है। वजह राजनीति है। पहले जात की राजनीति फिर धर्म की राजनीति ने हम हिंदुओं में छीनाझपटी का वह संस्कार, स्वभाव पैंठाया है जिसमें मूल्यवत्ता, नैतिकता, काबलियत, चाल, चेहरे, चरित्र का कोई मान नहीं रहा। अब हर व्यक्ति, हर जाति, हर धर्म, अपनी भूख, ईर्ष्या, असुरक्षा में घृणा के इतने रूप धारे हुए है कि ओर– छोर नहीं मिलेगा।

निश्चित ही श्घृणाा्य में दुनिया की बाकि सभ्यताएं भी है। लेकिन हिंदुओं और बाकि धर्मों, सभ्यताओं का फर्क यह है कि हमने आजादी के बाद असमानताओं को नए आकार, नए लेवल दिए है। बाकि दुनिया में यदि रंगभेद, नस्ल भेद, वर्गभेद, धर्म भेद जैसी सर्वव्यापी असमानताएं है वहीं हम हिंदुओं की ऐसी कुछ यूनिक खूबियां है जिसमें इस राजनीति से मुक्ति संभव हीं नहीं है कि दलित और जाट में नफरत नहीं फैलाई जाए। फारवर्ड बनाम बेकवर्ड आपस में लड़े नहीं। फारवर्ड में ब्राह्मण बनाम राजपूत भिड़े नहीं। वैसे ही बेकवर्ड में भी महाबेकवर्ड, दलितों में भी महादलित तो जयश्री राम बनाम महाकाली, मराठा बनाम गुजराती, उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदू बनाम सिख आदि, आदि की असमानताओं में बस चिंगारी भर भडकानी है लोग अपने आप या तो घृणा में सड़क पर उतर आएंगे या वोट की कतार में लग जातियों, चेहरों के खिलाफ नफरत में वोट डालेंगे।

कोई भी काम बुद्धी, विवेक, सत्य, ईमानदारी, काबलियत की कसौटी में अब नहीं है। हर काम, हर फैसला इस स्वार्थ, इस घृणा, इस बदले और इस ख्यास में है कि प्रतिस्पर्धी दुश्मन है, घृणित है। सोचे, राजनीति में नरेंद्र मोदी अपने किस प्रतिद्वंदी से घृणा नहीं करते होंगे? सोचे भाजपा का कौन सा राज्यपाल विपक्ष के मुख्यमंत्री को दुश्मन की निगाह से नहीं देखता होगा? कौन सा अधिकारी, सचिव, नौकरशाह अपनी महत्वांकाक्षा, कंपीटिशन में प्रतिस्पर्धी को डाउन करने के लिए वे तिकड़में नहीं अपनाता होगा जो अनैतिक है? इस क्रम को भारत में किसी भी लेवल, मानवीय रिश्तों, सेवा, चिकित्सा, शिक्षा की दुकानों, उद्यमों, व्यवहारों में आजमाएं तो चौतरफा समझ आएगा हम लोगों की वृति, प्रवृति क्या हो गई है? या तो स्वार्थ है या घृणा।

हाल के ऐसे कुछ फोटों दिखे, खबरें जानी, जिससे सवाल उठा घृणा किस–किस तरह बोलती हुई है? ठिक है अरविंद केजरीवाल से मोदी, शाह, भाजपा सब घृणा करें लेकिन ऐसा क्या जो उनके छोड़े मकान और नई मुख्यमंत्री आतिशी की उस पर शिफ्टिंग में भी दुश्मन को बदनाम करने का मौका नहीं चूका जाए। क्या तुक है जो एक चुनाव जीतने के लिए हिंदुओं को घृणा के ये टीके लगे कि बंटोगें नहीं तो कटोंगे! मुझे बहुत बुरा लगा जब उपराज्यपाल मनोज सिंहा और उमर अब्दुला का फोटो देखा। मानों भविष्य का संकेत। उमर अब्दुला कश्मीरी वेशभूषा में ऐंठ और अकड़ के अंदाज में और मनोज सिंहा भी सर्द। और कोई न माने इस बात को लेकिन मेरी फील है इस दफा बंगाल में दुर्गा पूजा फीकी थी। राजनीति की घृणा की छाप त्योहार पर थी। क्या अर्थ है इसका जो बंगाल का राज्यपाल ऐलान करें कि वे मुख्यमंत्री के साथ कोई मंच साझा नहीं करेंगे? और ऐसी क्या दुश्मनी जो योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को जेपी की मूर्ति पर माला नहीं चढ़ाने दी। उसे रोकने के लिए पुलिस की भारी तैनातनी और मानों भारत व पाकिस्तान के बीच शक्ति परीक्षण हो!

घृणा का हिंदू–मुस्लिम मामला और हिंसा अपनी जगह है। असल बात है कि जैसे राजनीति की छोटी–छोटी बातों में भी खुन्नस है तो व्यक्तियों, परिवारों, समाज के रिश्तों में भी आंशका, असुरक्षा, ईर्ष्या और भूख में घृणा का जो नया व्यवहार बन रहा है वह जातिगत दंगल के अलावा भी है। और इसकी कोई सुध नहीं है। हाल में मालूम हुआ भारत में लड़के–लडकियां शादी के पहले अब प्रीनप समझौते याकि लिखित अनुबंध कर रहे है ताकि शादी के बाद कानूनी अधिकारों, प्रोपर्टी के मामले पहले तय हो। गुजरात से खबर थी कि पहले युवती ने दुल्हन बनने का एग्रीमेंट किया, परिवार से मोटी रकम मांगी और फिर शादी से पहले गायब हो गई। इस तरह के वेयक्तिक रिश्तों में भूख, असुरक्षा, पंगेबाजी, नफरत और दुश्मनी में क्या–क्या फिर होता है इसका रूटिन पुलिस थानों, अदालतों में अब ऐसा भयावह है जिस पर लिखना महाभारत जैसा होगा!

अहिंसा सबसे महान धर्म

अशोक प्रवृद्ध

श्रीकृष्ण ने दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल देने का उपदेश देता हुए कहा है– विनाशाय च दुष्टकृताम्। अर्थात– दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल दो। ऐसा करके ही अहिंसा का पालन व सत्य की रक्षा अनेक अवसरों पर होती है। इसलिए मनुष्यों को अहिंसा का प्रयोग करते हुए विवेक से कार्य लेना चाहिए। एक सीमा तक ही लोगों का बुरा व्यवहार सहन करना चाहिए और उसके नहीं सुधरने पर उसका समुचित निराकरण यथायोग्य व उससे भी कठोर व्यवहार करके करना चाहिए ।भारतीय परंपरा में अहिंसा और सत्य भाषण समस्त प्राणियों के लिए अत्यंत हितकर माने गए हैं। अहिंसा सबसे महान धर्म है, परंतु वह सत्य में ही प्रतिष्ठित है। सत्य के ही आधार पर श्रेष्ठ पुरुष के सभी कार्य आरंभ होते हैं। महाभारत, वनपर्व में कहा गया है दृ

अहिंसा परमो धमर्रू स च सत्ये प्रतिष्ठितरू।

अर्थात– अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है और सत्य पर ही टिका होता है। सत्य में निष्ठा रखते हुए सारे काम संपन्न होते हैं।

वेद सत्य ज्ञान की पुस्तक है। वेद का अर्थ ही ज्ञान होता है। सत्य का अर्थ सत्तावान होता है। जिस पदार्थ की सत्ता है, उसके गुण, कर्म व स्वभाव अवश्य होते हैं, उनका यथार्थ अथवा ठीक –ठीक ज्ञान सत्य कहलाता है। ईश्वर की सत्ता है तथा जीवात्मा और प्रकृति की भी सत्ता है। इसलिए यह तीनों पदार्थ सत्य कहे व माने जाते हैं। इसी तरह ईश्वर, जीवात्मा और प्रकृति के गुण, कर्म व स्वभाव का यथार्थ ज्ञान सत्य कहा जाता है। ईश्वर का प्रथम प्रमुख नाम ही सच्चिदानन्दस्वरूप है। सच्चिदानन्द तीन शब्दों का समुदाय है, जिसमें सत्य, चित्त और आनन्द इन तीन गुणों का समावेश है। सत्य किसी पदार्थ की सत्ता को कहते हैं। ईश्वर है और उसकी सत्ता भी है, यह यथार्थ है। इसलिए ईश्वर को सत्य कहा गया है ।वैदिक मत के अनुसार सत्य पर ही अहिंसा प्रतिष्ठित होता है। अहिंसा परम धर्म, परम तप और परम सत्य है, क्योंकि उसी से धर्म की प्रवृति होती है। महाभारत आदि पर्व, पौलोम पर्व 11؛12, 11؛13, अनुशासन पर्व, दानधर्म पर्व 116؛28, 245؛4 आदि श्लोकों में अहिंसा परमो धमर्रू कहा गया है। महाभारत अनुशासनपर्व, दानधर्म पर्व 116؛28 के अनुसार अहिंसा परम धर्म, परम संयम, परम दान, परम तपस्या है। महाभारत अनुशासन पर्व दानधर्म पर्व 245؛4 के अनुसार अहिंसा परम धर्म, परम सुख है। वैदिक ग्रंथों में में अहिंसा को परमपद बताया गया है। महाभारत अनुगीतापर्व आश्व मेधिकपर्व 43؛20 व 43؛21 के अनुसार अहिंसा सबसे श्रेष्ठ धर्म है और हिंसा अधर्म का लक्षण (स्वरूप) है।

अहिंसा का अर्थ होता है अ–हिंसा अर्थात हिंसा न करना। दूसरों के प्रति वैर भावना का त्याग करना। किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान नहीं पहुंचाना। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है। दूसरों के प्रति वैर भाव अथवा कोई निजी स्वार्थ होने पर ही हम दूसरों के प्रति हिंसा करते हैं, जबकि कोई यह नहीं चाहता कि दूसरे लोग व प्राणी उनके प्रति हिंसा करें। हिंसा जिसके प्रति की जाती है, उसको हिंसा से दुरूख व पीड़ा होती है।

इसीलिए यदि हम चाहते हैं कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार न करे तो हमें भी दूसरों के प्रति हिंसा का त्याग करना होगा। दूसरों के प्रति अपने मन व हृदय में प्रेम व स्नेह का भाव उत्पन्न करने पर ही हिंसा दूर हो सकती है। इससे मन व हृदय में शांति उत्पन्न होगी, जिससे हमारा मन व मस्तिष्क ही नहीं अपितु शरीर भी स्वस्थ एवं दीर्घायु को प्राप्त होगा। इसलिए हर उस व्यक्ति को दूसरे प्राणियों के प्रति अहिंसा का व्यवहार करने के लिए उद्यत रहना चाहिए, जो दूसरों के द्वारा अपने प्रति हिंसा का व्यवहार करना पसन्द नहीं करते। महाभारत मोक्षधर्म पर्व शांतिपर्व 256؛3 में हिंसा की निंदा की गई है–

अव्यवस्थितमर्यादैर्विमूढ़ैर्नास्तिकैर्नरैरू।
संशयात्मभिरव्यक्तैर्हिंसा समनउवर्णइतआ।

अर्थात– जो धर्म की मर्यादा से भ्रष्ट हो चुके हैं, मूर्ख हैं, नास्तिक हैं तथा जिन्हें आत्मा के विषय में संदेह है एवं जिनकी कहीं प्रसिद्धि नहीं है, ऐसे लोगों ने ही हिंसा का समर्थन किया है ।वैदिक ग्रंथों में ईश्वर, जीवात्मा और प्रकृति सहित मनुष्य के कर्तव्यों व मनुष्य जीवन के उद्देश्य व लक्ष्य

का यथार्थ बोध कराया गया है। दूसरों को पीड़ा देना अधर्म कहलाता है। मनुष्य हो या पशुदृपक्षी, किसी को भी पीड़ा देना अधर्म व महापाप होता है। दूसरों को पीड़ा देना उनके प्रति हिंसा ही कही जाती है। इसलिए सबको अहिंसक स्वभाव व भावना वाला बनना चाहिए। ऐसा होने पर ही सही मायने में व्यक्ति में मनुष्यता के लक्षण दिखाई देते हैं। वेद मनुष्य को मनुष्य बनने की प्रेरणा व आज्ञा देते हैं– मनुर्भव ।इस एक शब्द में ईश्वर ने वेद के द्वारा मनुष्य को मनुष्य बनने अर्थात मननशील होकर सत्य का ज्ञान प्राप्त करने व उसका आचरण करने की प्रेरणा दी है। सबसे यथायोग्य व्यवहार करने की आज्ञा दी है। यथायोग्य का अर्थ होता है जैसे को तैसा। इस सिद्धांत पर नहीं चलने से हम असत्य व हिंसक आचरण करने वाले मनुष्य का सुधार नहीं कर सकते। हमारे विरोध न करने से उसकी हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। इसका दोष हम पर ही होगा ।मनुष्य को सुधारने के चार तरीके होते हैं– साम, दाम, दण्ड और भेद। जो व्यक्ति सज्जन है उसे प्रेम से समझाया जा सकता है। यदि वह नहीं सुधरता तो कुछ दमन करना होता है। उस पर भी यदि वह न सुधरे और हिंसा का आचरण करे तो फिर उसको दण्ड अथवा अल्प हिंसा से युक्त दण्ड देकर ही सुधारा जा सकता है। अहिंसा का यह अर्थ कदापि नहीं होता कि कोई हमारे प्रति हिंसा का व्यवहार करे और हम मौन होकर उसे सहन करें। यदि ऐसा करेंगे तो हिंसक मनुष्य का स्वभाव और अधिक हिंसा वाला होगा और वह अन्य सज्जन लोगों को भी दुरूख देगा। वेद हिंसक मनुष्य या प्राणियों के प्रति यथायोग्य व्यवहार की ही प्रेरणा देते हैं ।इसीलिए श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल देने का उपदेश देता हुए कहा है– विनाशाय च दुष्टकृताम्। अर्थात– दुष्टता करने वाले मनुष्य की दुष्टता को कुचल दो। ऐसा करके ही अहिंसा का पालन व सत्य की रक्षा अनेक अवसरों पर होती है। इसलिए मनुष्यों को अहिंसा का प्रयोग करते हुए विवेक से कार्य लेना चाहिए। एक सीमा तक ही लोगों का बुरा व्यवहार सहन करना चाहिए और उसके नहीं सुधरने पर उसका समुचित निराकरण यथायोग्य व उससे भी कठोर व्यवहार करके करना चाहिए।

योगदर्शन के अष्टांग योग में योग का पहला अंग यम है। यम पांच होते हैं– अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह। आदि सनातन काल से ही ऋषि– मुनि, योगीजन अहिंसा व सत्य सहित पांचों यमों का पालन करते आये हैं। यह यम किसी एक मत के लिए नहीं अपितु यह सार्वजनीन हैं अर्थात् विश्व के सभी मनुष्यों के पालन व आचरण करने योग्य हैं। सभी को इसे जानकर इसकी मूल भावना के अनुसार सेवन व आचरण करना चाहिए। इसी से मनुष्य जीवन शोभायमान होता है ।इस प्रकार स्पष्ट है कि वैदिक मत में अहिंसा को परम धर्म कहा गया है। लेकिन दुष्टों की दुष्टता को कुचल देने की आज्ञा भी दी गई है। इसीलिए रावण, कंस आदि की दुष्टता को श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि वैदिकधर्मियों ने अवसर हाथ लगते ही कुचलने में देर नहीं की। लेकिन महाभारत के बाद लोगों के वेद ज्ञान से दूर होने के कारण अहिंसा का यह अर्थ लोगों के मस्तिष्क में नहीं रह पाया। अन्य संस्कृतियों का उदय हुआ, और अन्य संस्कृतियों के संपर्क मे आने के कारण भारतीयों में भी मात्र दुष्टता को कुचलने के स्थान पर हिंसा प्रयोग करने के आदेश के प्रतिकूल यज्ञ, बाद में देव पूजन के नाम पर बलि के नाम पर पशु हिंसा का प्रचलन बढने लगा। जिसका वैदिक धर्म पर आश्रित लोगों ने तर्क– वितर्क, वाद– विवाद आदि तरीकों से विरोधा व समझने का प्रयास भी किया, लेकिन वह प्रयास सफल नहीं हो सका ।बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान बुद्ध ने भी अहिंसा का उद्घोष अपने उपदेशों में किया था। भगवान बुद्ध के उपदेशों का असर यह हुआ कि उस समय यज्ञों के दौरान जो पशु हिंसा होती थी, वह समाप्त हो गई। लेकिन अहिंसा के सत्य स्वरूप के साथ ही दुष्टों की दुष्टता को कुचल देने की आज्ञा देने की वैदिक वचन गौण हो गई, समाप्त हो गई। कालांतर में अहिंसा का ठीक प्रकार से अर्थ न समझ सकने के कारण परिणाम यह हुआ कि भारत पर अनेक आक्रमण हुए और यह गुलाम हो गया। बहरहाल, भारत में अत्यंत प्राचीन काल से ही अहिंसा का प्रचलन रहा है।

वर्तमान में भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसात्मक तरीके से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एक भारतीय मोहनदास करमचंद गांधी के जन्म दिन 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जाता है। शांति और अहिंसा के विचार पर अमल करने और महात्मा गांधी के जन्म दिवस को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जून 2007 को एक प्रस्ताव पारित कर संसार से की थी।

शिकायतों के निस्तारण में गलत आख्या न लगाएं: डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस पट्टी में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, 08 मामलों का मौके पर किया निस्तारण,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पट्टी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 220 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 08 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 220 शिकायतों में से 86 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 45, विकास विभाग से 22, समाज कल्याण से 12, शिक्षा से 02, स्वास्थ्य से 02 एवं 51 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी।

➤ शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये–जिलाधिकारी

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायकर्ता विंध्यवासिनी पाण्डेय निवासी भावापुर दूबेपट्टी ने शिकायत किया कि प्रार्थी के गांव में गाटा संख्या 112 खेल का मैदान है जिस पर गांव के सरहंग व्यक्तियों के द्वारा कब्जा करके मकान का निर्माण करा लिया गया है तथा शेष भाग पर भी कब्जा कर रहे है, प्रार्थी ने आनलाइन तथा उपजिलाधिकारी से भी सम्पर्क किया फिर भी खेल के मैदान से कब्जा नहीं हटा, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी को निर्देशित किया कि पैमाईश कराकर खेल के मैदान पर कब्जा हटाया जाये। शिकायतकर्ता उमाशंकर सरोज निवासी वारीकला ने शिकायत किया कि प्रार्थी की भूमि गाटा संख्या 1350 को अन्य कई खातेदार मिलकर जोत लिये है और कब्जा कर लिये है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी को निर्देशित किया कि सम्बन्धित लेखपाल को कार्यवाही हेतु निर्देशित करें जिससे शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण हो सके।सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने लेखपालों एवं कानूनगो को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि बिना किसी पक्षपात के जमीन सम्बन्धी प्रकरण की जांच करें, शिकायतों के निस्तारण में गलत आख्या कदापि न लगायी जाये तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण करायें जिससे राजस्व शिकायतों का निस्तारण हो सके और शिकायतकर्ता सन्तुष्ट हो सके।

तालाबों व सरकारी जमीनों पर किये गये अवैध कब्जों को खाली करायें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसका निस्तारण सम्बन्धित अधिकारियों को ससमय गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि थाने में कोई भी फरियादी अपनी समस्या लेकर आये तो उसके साथ सरलता पूर्वक व्यवहार किया जाये, उसकी शिकायत को गम्भीरतापूर्वक सुने और जल्द से शिकायकर्ता की शिकायत का निस्तारण करायें, शिकायतों के निस्तारण में गलत आख्या कदापि न लगायी जाये। उन्होने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र आये है उसे प्राप्त करते हुये अपने–अपने क्षेत्रों के कार्यो का भ्रमण करते हुये जनपद मुख्यालय पहुँचे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होने पुलिस अधिकारियों/थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पट्टी तनवीर अहमद, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर का भ्रमण कर डीएम–एसपी ने देखी व्यवस्था

चित्रकूट (आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह ने क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह की उपस्थिति में कस्बा राजापुर अन्तर्गत हनुमान मंदिर में लगने वाले मेला का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस मौके पर हनुमन मंदिर में पूजा अर्चना किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्किंग रहे। रोड पर अतिक्रमण न हो। सीसीटीवी लगे होने चाहिए। मंदिर परिसर में इलेक्ट्रानिक चीजों में खुला तार न लगा हो। फायर ब्रिगेड भी रहे। तत्पश्चात नगर पंचायत राजापुर में विश्व कवि गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति की पूजा अर्चन किया। रोटी बैंक, पहली रोटी गाय के नाम, अन्नदान महादान' नामक वाहन को हरी झंडी दिखाई। डीएम ने गौ माता को चुनरी ओढाकर एवं माला पहनाकर रोटी खिलाया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजपुर संजीव मिश्रा, अधिशासी अधिकारी बालकृष्ण गौतम, प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार, प्रभारी निरीक्षक सरधुवा आशुतोष तिवारी व अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहें।

अजहर के सोलह छक्कों ने दिलाई नेवादा को जीत

सुलतानपुर। मेला बाग बिकवाजीतपुर हनुमानगंज में आयोजित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट प्रतियोगिता में पांचवें दिन के दिन आज अपना दल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अयोध्या परिक्षेत्र के अविनाश पटेल एवं जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ संतोष गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

पहला मैच मुडुई नेवादा और रामपुर के बीच खेला गया जिसमें नेवादा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित दस ओवरों में 223 रन बनाए जोकि इस टूर्नामेंट में अब तक का सबसे अधिक स्कोर रहा, नेवादा की तरफ से अजहर ने 16 छक्कों की मदद से 30 गेंदों में शानदार 119 रन बनाए सुलेमान ने भी टीम के लिए 57 रन बटोरे जवाब में रामपुर की टीम 7 ओवरों में 86 रन ही बना सकी, मैन ऑफ द मैच अजहर रहे, खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर कप्तान शिवम् और उपकप्तान अवनीश वर्मा ने खुशी जताई, दूसरा मैच भी काफी रोमांचक रहा जिसमें लोहरामऊ और चौकियां इलेवन की टीमें भिड़ी, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चौकियां ने निर्धारित दस ओवर में 159 रनों का विशाल लक्ष्य दिया जवाब में लोहरामऊ की टीम ने भी संघर्ष करते हुए 123 रन ही बना सकी, मैन ऑफ द मैच मंगल यादव रहे जिन्होने टीम के लिए 36 रन बनाकर दो विकेट भी झटके। टीम मैनेजर दुष्यंत ने टीम के प्रदर्शन

पर खुशी जताई। निर्णायक शिवरंजन और गोविंद और स्कोरर चौधरी आशुतोष वर्मा रहे कार्यक्रम के आयोजक जगन्नाथ वर्मा ने बताया कि जिले की अच्छी टीमें प्रतिभाग कर रही हैं अध्यक्ष मुनेंद्र मिश्रा ने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया जाएगा उसी दिन प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला जाएगा। पांचवें दिन आज अविनाश, संतोष गुप्ता, अरविंद प्रधान, अमन, सोहित दुबे, रोहित, प्रिंस, सौरभ चौरसिया, सर्वेश वर्मा, अमर बहादुर वर्मा, अंश वर्मा, हर्षित सिंह, अभय, परशुराम, दीपू, देव उपस्थित रहे।

संक्षेप

स्काउट गाइड शिविर का समापन

जौनपुर(आरएनएस)। सुइथाकला विकासखण्ड स्थित श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर में चल रहे पांच दिवसीय तृतीय सोपान शिविर का समापन समारोह संपन्न हुआ।समापन अवसर पर मुख्य आयुक्त डॉ रणजीत सिंह ने कहा की स्काउटिंग सीखने का तात्पर्य स्वयं का भला करना ही नहीं बल्कि समाज के भलाई के लिए अपने जीवन को समर्पित कर देना ही सच्ची स्काउटिंग है।जिला कमिश्नर डॉक्टर अजेय प्रताप सिंह ने स्काउट गाइड प्रशिक्षण को जीवन में आत्मसात करने की सीख दी।कार्यक्रम का संचालन राम बख्श सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त ने किया। इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त राकेश कुमार मिश्रा, जिला संगठन आयुक्त गाइड सोनम गुप्ता ,जिला मुख्यालय आयुक्त प्रीति वर्णवाल, शिवानी सिंह, प्रगति सिंह ,सोनी सिंह, मनोज कुमार जायसवाल ,मनोज कुमार तिवारी ,मनोज सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह, पुष्पेंद्र बहादुर सिंह, राकेश सिंह ,दुर्गेश सिंह ,दिनेश सिंह, संतोष कुमार, विनय कुमार त्रिपाठी ,संतोष सिंह आदि उपस्थित थे।

किषोरी को 24 घण्टे मे बरामद किया

जौनपुर(आरएनएस)। थाना पवारा पुलिस द्वारा 24 घण्टे के अन्दर पुलिस ने नाबालिग को बरामद किया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ष्षैलेनद्र कुमार ने बताया कि पवारा क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव की महिला ने रात्रि थाने पर लिखित तहरीर दी कि मेरी नाबालिग 17 वर्षीय पुत्री क्षेत्र के एक महाविद्यालय में परीक्षा देने के लिए निकली थी, जो शाम तक घर वापस नहीं आयी। काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। मुझे शंका है कि कुंवरपुर गांव का एक युवक बहला–फुसलाकर भगा ले गया है, क्योंकि वह उससे बातचीत किया करती थी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वही बहला–फुसलाकर भगा ले गया है । पुलिस तहरीर के आधार पर कुंवरपुर गांव निवासी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नाबालिग लड़की को 24 घण्टे के अन्दर बरामद कर लिया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

ब्लॉक प्रमुख ने किया कंबल वितरण

जौनपुर(आरएनएस)। रामपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह ने क्षेत्र के सैकड़ों गरीबों को कंबल वितरित किया। बढ़ते ठंड को देखते हुए ब्लॉक प्रमुख ने रविवार की दोपहर हथेरा पंचायत भवन में जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया । लोगों ने बताया कि ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह ने अब तक हजारों जरूरतमंदों को कंबल वितरण कर चुके हैं जगह–जगह जाकर के पूरे ब्लॉक रामपुर में ऐसा कोई भी गांव नहीं बचा होगा जहां जरूरतमंदों को ब्लॉक प्रमुख द्वारा कंबल न दिया गया हो ।लोगों ने ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह का काफी सराहना किया । बताया कि सड़क लाइट कि मानो पूरे ब्लॉक में जाल बिछा दिया गया है लगभग हर घर सड़क बना है और लाइट भी लगा है । प्रधान रवि पटेल, विपुल सिंह, आकाश सिंह, अरुण सिंह, शुभम सिंह, सनी सिंह रहे।

आदेश को हाईकोर्ट में देंगे चुनौती

जौनपुर (आरएनएस)। कोर्ट के फैसले के बाद अतुल सुभाष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विनय सिंह ने कहा कि जमानत मंजूर कर ली गई है। हम ऑर्डर शीट का इंतजार कर रहे हैं। हमारी दलील तथ्यात्मक जानकारी और उत्पीड़न पर थी। सुसाइड नोट को फोरेंसिक को भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक इस पर विचार नहीं किया गया है। उनके सुसाइड वीडियो को भी फोरेंसिक को भेजा गया है। उनकी लिखावट की भी जांच की जा रही है। वकील विनय सिंह ने आगे कहा कि हम पूरे परिवार के साथ हैं। हम परिवार को न्याय दिलाने के लिए लड़ रहे हैं। हम जमानत आदेश चुनौती देंगे। ऑर्डर शीट देखने और उसका विश्लेषण करने के बाद हम कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

षिक्षा का प्राथमिकता दें

जौनपुर(आरएनएस)। हर वर्ष की भांति जनवरी के प्रथम रविवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ । इस कार्यक्रम में गरीब बच्चों ने भाग लिया और अपने कला का प्रदर्शन किया । कार्यक्रम के अध्यक्ष मनोज मौर्य ने बच्चों को प्रोत्साहित किया और अच्छे आचरण व शिक्षा को बढ़ावा देने की आवष्यकता बताया ।कार्यक्रम के आयोजक रमेश चंद्र रावत ,कार्यकर्ता श्री संतोष मौर्य, किरण मोनी, अनूप सोनू ,सुनील जायसवाल आदि लोगों के सहयोग से संपन्न हुआ। गोपी पुस्तक केंद्र केंद्र के द्वारा बच्चों को पुस्तक देकर उनका सहयोग किया । यहह आयोजन खेत पर्वत माता मंदिर सुक्खीपुर में संपन्न हुआ।

रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विकास खण्डवार शिविर का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने अवगत कराया है कि जनपद के सभी विकास खण्ड मुख्यालयो में एसआईएस इंडिया लि0 जौनपुर के तत्वाधान में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शिविर का आयोजन किया जायेगा। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बेरोजगार इच्छुक युवकों के लिये जनपद में पूर्ण रूप से निःशुल्क पंजीयन शिविर की योजना बनाई गयी है। प्रत्येक विकास खण्ड मुख्यालयो पर तिथिवार आयोजित शिविर के पूर्ण विवरण अनुसार तिथियां ब्लाक स्तर पर निर्धारित की गई है जिनमें दिनांक 10 और 11 दिसम्बर को लालगंज एवं बेलखरनाथधाम ब्लाक, 12 एवं 13 दिसम्बर को सांगीपुर और मंगरौरा, 14 और 15 दिसम्बर को रामपुर संग्रामगढ़ और पट्टी, 16 एवं 17 दिसम्बर को सण्डवा चन्द्रिका और आसपुर देवसरा, 18 एवं 19 दिसम्बर को मानधाता एवं गौरा, 20 एवं 21 दिसम्बर को कुण्डा एवं शिवगढ़, 22 एवं 23 दिसम्बर को कालाकांकर व लक्ष्मणपुर, 24 एवं 25 दिसम्बर को बाबागंज और सदर तथा 26 एवं 27 दिसम्बर को बिहार ब्लाक में कैम्प का आयोजन किया जायेगा। किसी ब्लॉक के अभ्यर्थी किसी भी ब्लॉक में भर्ती देख सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ दिव्या मिश्रा द्वारा सभी खंड विकास अधिकारियों ने इन शिविरो के सफल आयोजन के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियो को निर्देशित किया गया है कि वे आपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे।

कीचड़युक्त नहर की पटरी पर करा दिया पेटिंग

सोनभद्र। सपा के जिला सचिव राजेश विश्वकर्मा एवं ग्राम प्रधान डोहरी राजू पाल ने संयुक्त रूप से जिलाधिकारी को शाहगंज राजवाहा 'नहर' के पटरी पर पेटिंग कार्य में अनियमितता बरतने का शिकायती पत्र मंगलवार को सौंपा है। शिकायत कर्ताओं ने पत्र के माध्यम से बताया है कि शाहगंज राजवाहा 'नहर' ग्राम पंचायत डोहरी के पटरी पर पेटिंग का कार्य सिंचाई विभाग नहर प्रखण्ड मीरजापुर द्वारा कराया जा रहा है। बीते 26 दिसम्बर,2024 को समय करीब 09 बजे रात्रि में जेई, एसडीओ मौके पर थे। इस कार्य की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचा तो लोगों ने बताया कि उक्त सड़क कीचड़ व पानी से सनी हुई है जिस पर तारकोल किया जा रहा है, उक्त सड़क कम समय में ही खराब हो जायेगी। इस बावत जब मेरे द्वारा अधिकारियों से वार्ता की गयी और कार्य में अनियमितता बरते जाने की बात कही गयी तो अनसुना करते हुए अधिकारियों व ठेकेदार द्वारा उक्त कीचड़ युक्त सड़क पर तारकोल छिड़कर पेटिंग करा दिया गया। हस्तक्षेप करने के बावजूद कार्य को नहीं रोका गया अपितु जेई, एसडीओ व ठेकेदार द्वारा सरकारी धन की मिली भगत कर सड़क मार्ग को जैसे तैसे पूर्ण दिखाकर धन गमन करना प्रतित हो रहा है। ऐसे में शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी से उपरोक्त स्थितियों की सक्षम अधिकारी से जांच कराकर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग किया है।

पुलिस के सामने से गुजरते हैं ओवरलोड डम्फर

जैदपुर बाराबंकी(आरएनएस)। जैदपुर पुलिस द्वारा यातायात माह नवम्बर में मनाया जा रहा है। जिसका पालन पुलिस द्वारा कराने के लिए रोजाना चेकिंग अभियान के साथ छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। लेकिन दूसरी तरफ ओवरलोड डंपर खुलेआम जैदपुर पुलिस चौकी के सामने से गुजरते रहते हैं। ओवरलोड डंफर पर किसी भी अधिकारी की नजर नहीं पड़ती हैं।

➤ यातायात माह की उड़ाई जा रही हैं धज्जियां

लंबे समय से जैदपुर कस्बे में रॉयल्टी की आड़ में जमकर मिट्टी खनन करके खनन माफिया मोटी रकम मिट्टी बेचकर कमा रहे हैं। ज्यादा मिट्टी ढोने और बेचने के चक्कर में ओवर लोड डंपर कस्बे के बीचों बीच तेज रफ्तार से चल रहे हैं। जिससे स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबक बना हुआ है। क्योंकि रोड पर चलने वाले लोगों के लिए ये डंपर जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। और वहीं लोग डंपर से लगातार मिट्टी सड़कों पर गिर रही है। मिट्टी गिरने की वजह से पटरी दुकानदारों को भी काफी परेशानियां हो रही है। तेज गति से सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे डंपर 2 मिनट में धूल के गुब्बार पीछे छोड़कर निकल जाते हैं। स्थानीय लोगो को हर वक्त दुर्घटना का डर लगा रहता है।

रास्ते में पड़ने वाले श्री साईं इण्टर कॉलेज, बाबा जग जीवन दास, द मॉडल इण्टर कॉलेज नूर मोहम्मद इंटर कालेज में छुट्टी होने पर भी इन डंपरों की रफ्तार धीम नहीं होती है। जिससे छात्रों की जान का खतरा भी बना रहता है।दिन हो या रात जमकर किया जा रहा है मिट्टी खनन।

दो दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

खेलों से बच्चों का होता है मानसिक और शारीरिक विकासः गिरीश पति त्रिपाठी

अयोध्या। (आरएनएस)बेसिक शिक्षा परिषद की दो दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ भीमराव अंबेडकर विद्यालय क्रीड़ा संस्थान मकबरा में मुख्य अतिथि महापौर गिरीश पति त्रिपाठी,रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ,नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता गोसाईगंज विधायक अभय सिंह और जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने मैदान से आसमान की और गुब्बारे छोड़कर औपचारिक रूप से खेल प्रतियोगिता का प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में सभी मुख्य अतिथियों का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय नोडल खेल प्रभारी राजेश कुमार सिंह और अन्य खंड शिक्षा अधिकारियों ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों को बुके और स्मृति चिन्ह,बैच और टोपी लगाकर स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथियों के सामने जिले के सभी विकास खंडों के बच्चों ने मार्च पास्ट करके सलामी दिया और मुख्य अतिथियों के समक्ष 100 मीटर की दौड़ कराई गई , कार्यक्रम के प्रारंभ में मनमोहक स्वागत गीत और योग का कार्यक्रम प्रस्तुत करके प्यारे नन्हे मुन्ने बच्चों ने मुख्य अतिथियों और मैदान में सभी को मंत्र मुक्त कर दिया। महापौर गिरीश पर त्रिपाठी ने कहा कि खेलों से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है बच्चे शिक्षा के साथ–साथ खेलों से काफी कुछ सीखते हैं। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार खेलों के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार लगातार बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ खेलों में आगे बढ़ने की दिशा में प्रयत्नशील है सरकार की कोशिश है कि बच्चे खेलों में आगे जाएं। गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने कहा कि बच्चों को खेलों के साथ योग शिक्षा देना भी बेहद आवश्यक है। श्री सिंह ने तारुन ब्लॉक के योग शिक्षक अल्केश पांडे की मंच से ही सराहना किया और कहां की ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो बच्चों को शिक्षा के माध्यम से आगे लेकर जाएं। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने कहा कि बच्चे खेलों के माध्यम से लगातार नाम रोशन कर रहे है ।जिलाधिकारी ने कहा कि निपुण लक्ष्य के साथ–साथ बच्चों को खेलों में भी बेहतर करने की आवश्यकता है। जिले के बाद मंडलीय खेल प्रतियोगिता में बेहतर करने के लिए जिलाधिकारी ने बच्चों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रम में आए सभी मुख्य अतिथियों का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आभार जताया। इस दौरान शिक्षक प्रतिनिधियों ने भी सभी मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह, प्रा शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष संजय सिंह प्रा शि संघ जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी, महामंत्री चक्रवर्ती सिंह, महामंत्री प्रेम वर्मा, जूनियर शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष अरुण तिवारी, महामंत्री चंद्रजीत यादव, राष्ट्रीय शैक्षिक संघ जिला संयोजक अजीत सिंह, यादव,विशिष्ट बीटीसी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति,धीरज शुक्ला, सरवरे आलम, पंकज द्विवेदी,अजय कुमार सिंह, हरकिशन निषाद, अवधेश सिंह, डॉ नीरज शुक्ला अनुज सिंह ,अनिल पांडेय,संतोष द्विवेदी, अवधेश यादव, अभिनव सिंह राजपूत,मीडिया प्रभारी अनूप द्विवेदी महिला जिला अध्यक्ष मनोरमा साहू, पीएसपीएस प्रदेश संयोजक पंकज ,अंजनी ओझा,मुकेश सिंह, संतोष यादव, रवींद्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

मिर्जापुर में एक की हुई मौत, दो का हुआ दाह संस्कार

मीरजापुर। क्या मुर्दा भी गायब हो सकता है, जी हां! हैरान होने बात नही है ऐसा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में हुआ है. दरअसल, पूरा वाकया कुछ इस प्रकार से है, मिर्जापुर जिले के मुर्दाघर (पोस्टमार्टम हाउस) से लापता शव के लिए मध्य प्रदेश के सिंगरौली से आये परिजन हलकान रहे. बाद में बिना शव लिए वह बैरंग वापस घर लौट गये। पड़री थाना क्षेत्र के पुतरिहा ग्राम निवासी 24 वर्षीय गुलेश बिंद की जगह उसके परिजन सिंगरौली निवासी अमिश का दाह संस्कार कर दिये. शनिवार को सिंगरौली से आये परिजनों ने मुर्दा (शव) न मिलने पर मुर्दा गायब होने का आरोप लगाया. पुलिस ने परिजनों को श्मशान घाट तक घुमा कर अंतिम संस्कार हो जाने की जानकारी दी. इसके बाद लोग सिंगरौली वापस लौट गये. उधर गुलेश बिंद का शव लेने के लिए आज परिजन फिर पोस्टमार्टम हाउस शव लेने पहुंचे थें. पड़री थाना क्षेत्र में गुरुवार को सड़क हादसे में गुलेश बिंद की मौत हो गई थी. जबकि चुनार थाना क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर 2 जनवरी को हादसे का शिकार हुए मध्य प्रदेश के सिंगरौली जनपद जरहा गांव के निवासी 24 वर्षीय अमिश कुमार गुप्ता का डेथ बॉडी पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया था.

बताया गया कि पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे गुलेश के परिजनों ने शव का शिनाख्त किया. पोस्टमार्टम के बाद वह शव लेकर अंतिम संस्कार कर दिया. इस दौरान किसी ने उसका चेहरा नहीं देखा. शनिवार को मध्य प्रदेश सिंगरौली के जरहा गांव निवासी अमिश के परिजन चुनार थाने पहुंचे तो शव गायब था. जबकि चुनार थाना पर फोटो से अमिश का शिनाख्त कराया गया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हाउस में शव रखे जाने की जानकारी दी. शनिवार को परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो उन्हें अनिश का शव नहीं मिला. मुर्दाघर से मुर्दा गायब होने पर परिजनों ने पुलिस के अधिकारियों से वार्ता किया. जिसमें जांच आरंभ की गई. इस दौरान पता चला कि पड़री क्षेत्र के लोगों ने अपने परिवार के सदस्य के बजाय सिंगरौली निवासी मृतक अमिश का शव ले जाकर उसका अंतिम संस्कार चौबे घाट में कर दिया था. मुर्दा गायब होने पर हंगामा मचा तो सारा मामला सामने आया.

महा कुम्भ की कमान आजमगढ़ डी आई जी के नाम

आजमगढ़(आर एन एस)आजमगढ़ मंडल मे अपराध और अपराधियों का ग्राफ गिराकर, जनता मे पुलिस का विश्वास बढाकर अनोखा वादी दिवस का इतिहास रछने वाले डी आई जी श्री कृष्ण वैभव यहाँ सदा याद किये जाएंगे और अब वह आजमगढ़ की जगह प्रयागरज मे. कुम्भ की कमान संभालेंगे क्यों कि ?उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात आजमगढ़ मंडल के डीआईजी वैभव कृष्ण का तबादला कर दिया है। वैभव कृष्ण को महाकुंभ मेला प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वही यातायात सड़क सुरक्षा में पुलिस उपमहानिरीक्षक 2010 बैच के आईपीएस सुनील कुमार सिंह को आजमगढ़ मंडल का नया डीआईजी बनाया गया है।वैभव कृष्ण को शासन ने 24 जून 2024 को आजमगढ़ मंडल का डीआईजी बनाया था। 25 जून को वैभव कृष्ण ने आजमगढ़ मंडल का कार्यभार ग्रहण किया था।6 महीने में आजमगढ़ मंडल में माफियाओं और अपराधियों पर डीआईजी वैभव कृष्ण ने प्रभावी कार्रवाई की। इसके तहत फरार अपराधियों पर इनाम घोषित करने के साथ अपराध से अर्जित संपत्तियों को भी कुर्क करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इसके साथ ही महिला संबंधी अपराधों, हत्या और हत्या के प्रयास संबंधित अपराधों में मंडल के तीनों पुलिस कप्तानों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।आजमगढ़ मंडल में लगातार जिस तरह से अपराध की समीक्षा करते रहे इसका असर भी साफ दिखने लगा। यही कारण है कि आईजीआरएस की रैंकिंग में आजमगढ़ मंडल को प्रदेश में तीन बार पहला स्थान हासिल हुआ है।डीआईजी वैभव कृष्ण ने 4 अगस्त 2024 से वादी दिवस का शुभारंभ किया। इसके तहत मंडल के जिलों में मारपीट चोट हत्या का प्रयास महिला संबंधी अपराध अपहरण छेड़छाड़ रेप और पॉक्सो के मामलो के साथ प्रतिदिन दर्ज होने वाले मुकदमों में प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए थाना स्तर पर रोस्टर के अनुसार वादी दिवस मनाए जाने के तीनों जिलों आजमगढ़ मऊ और बलिया के पुलिस कप्तानों को निर्देश दिया गया।सबसे खास बात यह रही की इन वादी दिवस में मंडल के किसी न किसी थाने पर डीआईजी वैभव कृष्ण स्वयं मौके पर पहुंचने लगे। इसके तहत 6 अगस्त को आजमगढ़ मंडल में आयोजित वादी दिवस में सरायमीर और कोतवाली में डीआईजी स्वयं मौके पर पहुंचे। इस वादी दिवस का असर भी आईजीआरएस की रैंकिंग पर पड़ा और यही कारण है कि वादी दिवस के शुभारंभ के बाद लगातार आजमगढ़ मंडल प्रदेश में तीन बार पहले रैंकिंग हासिल किया।

एनसीआर: महाकुम्भ परिसर में स्वास्थ्य के लिए विशेष इंतजाम

प्रयागराज। महाकुम्भ–2025 में श्रद्धालु और यात्रियों सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए भारतीय रेलवे ने 30 से अधिक प्राथमिक चिकित्सा बूथ (फर्स्ट एड बूथ) स्थापित किए हैं। यह पहल श्रद्धालुओं की सुविधा और आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, फाफामऊ, प्रयाग जंक्शन, झूंसी रेलवे स्टेशन, रामबाग रेलवे स्टेशन, छिवकी रेलवे स्टेशन, प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन,सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन आदि पर फर्स्ट ऐड बूथ स्थापित किए गए हैं ।

प्राथमिक चिकित्सा बूथ का वितरणरू

1. प्रयागराज जंक्शन (PRYJ) – 14 बूथ
2. नैनी (NYN) – 03 बूथ
3. प्रयागराज छिवकी (PCOI) – 03 बूथ
4. सूबेदारगंज (SFG) – 02 बूथ
5. विंध्याचल (BDL) – 01 बूथ
6. मंकीपुल (MKP) – 01 बूथ
7. संगम कैम्प क्षेत्र – 01 बूथ
8. प्रयाग स्टेशन – 03 बूथ
9. फाफामऊ स्टेशन – 02 बूथ
10. अयोध्या धाम – 01 बूथ
11. अयोध्या केंट –01
12. काशी – 01
13. प्रयागराज संगम – 01

फर्स्ट एड बूथ की विशेषताएंरू

प्रत्येक बूथ पर प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की तैनाती।

आपातकालीन चिकित्सा उपकरण और दवाइयां उपलब्ध।

प्राथमिक उपचार से लेकर गंभीर मामलों में त्वरित रेफरल की सुविधा।

श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक उपचार की जानकारी देने के लिए विशेष शिविर।

महाकुम्भ के दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न स्थानों से प्रयागराज आते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने इन फर्स्ट एड बूथों की स्थापना की है। प्रयागराज जंक्शन जैसे प्रमुख स्टेशनों पर अधिक संख्या में बूथ स्थापित किए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत सहायता मिल सके।

संगम कैम्प क्षेत्र में विशेष बूथरू

संगम क्षेत्र, जहां लाखों श्रद्धालु स्नान और पूजा के लिए एकत्र होते हैं, वहां एक विशेष प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किया गया है। यह बूथ भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए पूरी तरह तैयार है।

यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए

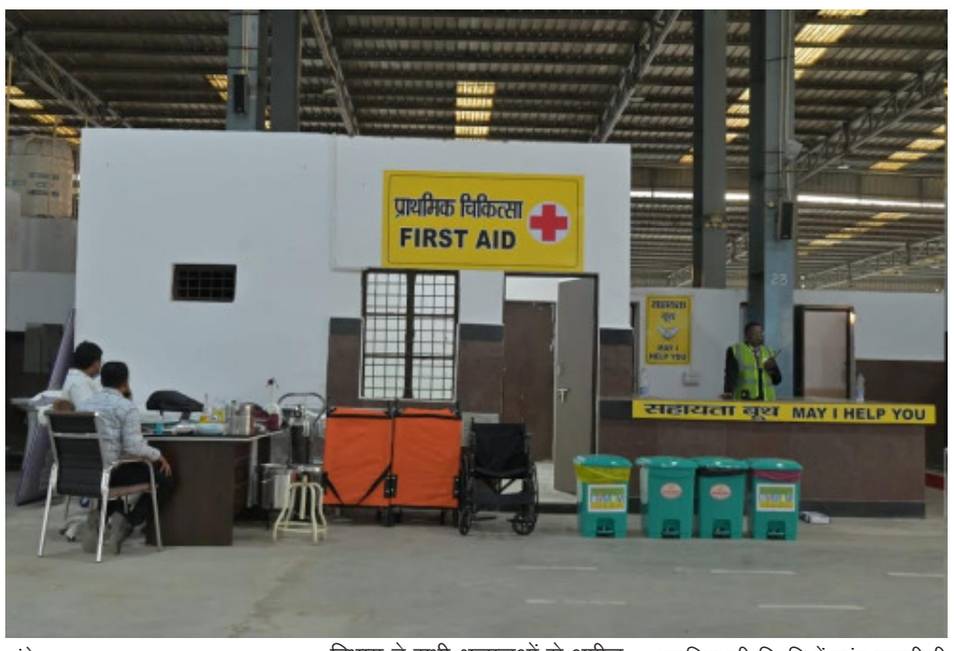

संदेशरू

रेलवे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और किसी भी असुविधा की स्थिति में तुरंत नजदीकी फर्स्ट एड बूथ पर संपर्क करें। महाकुम्भ–2025 के लिए रेलवे के अन्य प्रयासरू महाकुम्भ–2025 के लिए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कई अन्य पहलें भी की हैं, जिनमें अतिरिक्त ट्रेनों की सेवा, साफ–सफाई के विशेष इंतजाम, सीसीटीवी के जरिए भीड़ प्रबंधन, और आधुनिक कंट्रोल रूम की स्थापना शामिल है। संपर्क करेंरू यात्रा के दौरान किसी भी स्वास्थ्य या आपात स्थिति में सहायता के लिए नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा बूथ पर जाएं या हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें।

अवैध निर्माण को सील।

प्रयागराज। बुधवार को जोनल अधिकारी के जोन दो ध उपजोन– दो बी क्षेत्र के अंतर्गत मोहम्मत नदीम द्वारा स्थल बाजूपुर नाले के बगल, प्रयागराज में लगभग 02 बीघा में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया। मोहम्मद वसीम व जानू व अन्य द्वारा स्थल एनुउद्दीनपुर (ससुर खदेरी नदी के बगल) थाना करैली, प्रयागराज में लगभग 10 से 15 बीघा में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया। मोहम्मद नूर व अन्य द्वारा स्थल जागृति विहार के पीछे, कसारी मसारी देवघाट, प्रयागराज में लगभग 03 बीघा में

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 13220242025 दिनांक : 06.01.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 12.02.2025 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं. : 266	अनुमानित मूल्य (रू.) : 1,41,23,457.81
कार्यों का विवरण : वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय तथा मंडल अभियंता/पंचम/प्रयागराज मंडल के अधीन क्षेत्र में मेजर सेतुओं के अप्रोच पर ट्रैक स्ट्रक्चर की सुदृढ़ता के लिए जिओ सेल तथा बलैकेटिंग मटेरियल के द्वारा ट्रांजीशन सिस्टम लगाने तथा अन्य सम्बंधित कार्य।	
बयाने की रकम (रू.) : 2,20,600.00	कार्य समापन की अवधि : 12 (बारह) माह
निविदा खुलने की तिथि : 12.02.2025	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : रंनिग लाइन के नीचे कोई भी ट्रैक का कार्य।	

नोट : 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित **वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक** निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 12.02.2025 तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 12.02.2025 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जयेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 08/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ मेला-2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

(1) गाड़ी सं. 05559/05560 सहरसा-टूण्डला-सहरसा विशेष रेलगाड़ी

05559 सहरसा-टूण्डला		स्टेशन	05560 टूण्डला-सहरसा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:00	सहरसा	10:00	--
20:33	20:35	चुनार	21:53	21:55
21:00	21:02	मिर्जापुर	21:18	21:20
23:10	23:15	प्रयागराज	19:00	19:05
00:38	00:40	फतेहपुर	16:40	16:42
02:00	02:05	गोविन्दपुरी	15:30	15:35
04:28	04:30	इटावा	12:33	12:35
06:30	--	टूण्डला	--	11:20

सहरसा से- गाड़ी सं. 05559, दिनांक 18.01.2025, टूण्डला से- गाड़ी सं. 05560, दिनांक 19.01.2025

(2) गाड़ी सं. 05561/05562 सहरसा-टूण्डला-सहरसा विशेष रेलगाड़ी

05561 सहरसा-टूण्डला		स्टेशन	05562 टूण्डला-सहरसा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:00	सहरसा	15:00	--
20:33	20:35	चुनार	03:10	03:12
21:00	21:02	मिर्जापुर	02:38	02:40
23:10	23:15	प्रयागराज	01:00	01:05
00:38	00:40	फतेहपुर	21:08	21:10
02:00	02:05	गोविन्दपुरी	20:00	20:05
04:28	04:30	इटावा	17:25	17:17
06:30	--	टूण्डला	--	16:20

सहरसा से- गाड़ी सं. 05561, दिनांक 22.02.2025 एवं 27.02.2025, टूण्डला से- गाड़ी सं. 05562, दिनांक 23.02.2025 एवं 28.02.2025,

(3) गाड़ी सं. 05563/05564 सहरसा-भिण्ड-सहरसा विशेष रेलगाड़ी

05563 सहरसा-भिण्ड		स्टेशन	05564 भिण्ड-सहरसा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06:10	सहरसा	23:30	--
16:03	16:05	चुनार	12:58	13:00
16:35	16:37	मिर्जापुर	12:33	12:35
18:30	18:35	प्रयागराज	11:00	11:05
20:35	20:37	फतेहपुर	08:25	08:27
21:50	21:55	गोविन्दपुरी	07:15	07:20
00:01	00:03	इटावा	04:28	04:30
01:05	--	भिण्ड	--	03:30

सहरसा से- गाड़ी सं. 05563, दिनांक 08.02.2025, भिंड से- गाड़ी सं. 05564, दिनांक 09.02.2025

(4) गाड़ी सं. 05205/05206 रक्सौल-टूण्डला-रक्सौल विशेष रेलगाड़ी

05205 रक्सौल-टूण्डला		स्टेशन	05206 टूण्डला-रक्सौल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:00	रक्सौल	11:00	--
08:30	08:32	चुनार	21:53	21:55
09:05	09:07	मिर्जापुर	21:18	21:20
11:10	11:15	प्रयागराज	19:00	19:05
12:30	12:32	फतेहपुर	16:40	16:42
15:40	15:45	गोविन्दपुरी	15:30	15:35
17:03	17:05	इटावा	12:33	12:35
20:15	--	टूण्डला	--	11:20

रक्सौल से- गाड़ी सं. 05205, दिनांक 18.02.2025, टूण्डला से- गाड़ी सं. 05206, दिनांक 20.02.2025,

(5) गाड़ी सं. 03695/03696 धनबाद-टूण्डला विशेष रेलगाड़ी

03695 धनबाद-टूण्डला		स्टेशन	03696 टूण्डला-धनबाद	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:40	धनबाद	12:00	--
20:33	20:35	चुनार	03:10	03:12
21:00	21:02	मिर्जापुर	02:38	02:40
23:10	23:15	प्रयागराज	01:00	01:05
00:38	00:40	फतेहपुर	21:08	21:10
02:00	02:05	गोविन्दपुरी	20:00	20:05
04:28	04:30	इटावा	17:25	17:27
06:30	--	टूण्डला	--	16:20

धनबाद से- गाड़ी सं. 03695, दिनांक 08.02.2025, टूण्डला से- गाड़ी सं. 03696, दिनांक 09.02.2025

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है। 42/25 FA

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in

बोर्ड परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। सिविल लाइन स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के विशाल सभागार में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में विद्या भारती पूर्वी उप्र अध्यक्ष दिव्यकान्त शुक्ल एवं प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने कक्षा दशम और द्वादश के मेधावी छात्रों का मार्गदर्शन किया। दिव्यकान्त शुक्ल ने कहा कि सफलता केवल उन लोगों को मिलती है जो अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं और बिना किसी डर के कठिन रास्तों पर चलते हैं। सफलता का मतलब केवल पुरस्कार और पहचान पाना नहीं है। शेषधर द्विवेदी ने कहा कि कई बार हम असफल होते हैं लेकिन असफलता से डरने की बजाय हमें इससे सीखना चाहिए। असफलता हमें यह सिखाती है कि हमें क्या गलत किया। विद्यालय प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर परिहार ने कहा कि सफलता को प्राप्त करने के लिए हमें कई गुणों की आवश्यकता होती है। मीडिया प्रभारी सरोज दुबे ने कहा कि जैसे समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, और लगातार मेहनत। जब हम अपना समय और ऊर्जा अपने लक्ष्य की ओर सही तरीके से लगाते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

प्रथम शुद्धिपत्र

No. CV/Renewal Stall/RP/2024

Date -08.01.2025

ई-निविदा अधिसूचना संख्या- 03/कैटेरींग/2024 के लिए शुद्धिपत्र संख्या दिनांक- 26.12.2024

सर्वधारित को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज मण्डल द्वारा निविदा सूचना संख्या 03/कैटरिंग/ 2024 दिनांक 26.12.2024 के माध्यम से कुल 22 खानपान स्टालों (Bid no. 55/24 से 76/24 तक) के आवंटन हेतु प्रकाशित की गयी थी जिसमे Bid no. 57/24 एवं 58/24 (कुल 02 खानपान यूनिट) को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। 13/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062